कार्य अनुभव :

नाम : डॉ. सौ. सुषमा गुणवंत रोटे. (एम. ए. पीएच. डी.)

जन्म दिन : 19 फरवरी, 1965

पत्ता : जैन विद्या शोध संस्थान, 'रत्नत्रय', 517, इ, फ्रेंड्स कॉलनी, शिवाजी पार्क, कोल्हापूर.

संपर्क नंबर : - 09881250151, 09422620119.

ई- मेल : - sushamagr@gmail.com

वेबसाईट :- www.jainvidya.com

पद:- शोध मार्गदर्शक एवं निदेशक , जैन विद्या शोध संस्थान , कोल्हापूर.

विशेष क्षेत्र	जैन साहित्य -अध्ययन, अध्यापन , संशोधन , लेखन प्रकाशन एवं व्याख्यान , जैनदर्शन , साहित्य एवं जैनागम भाषा प्राकृत आदी विश्व विद्यालयीन पदवी , पदव्यूत्तर , पदविका के दूरस्थ पाठयक्रमो का अध्ययन
अध्यापन अनुभव	स्नातक तक - १२ साल, स्नातकोत्तर तक - ६ साल, प्राकृत रत्न, बी.ए., एम. ए.जैनॉलॉजी के प्राध्यापक के रूप में सन २००० से अब तक।
शोध प्रबंध	शिवाजी युनिव्हर्सिटी की ओर से पीएच. डी. उपाधी प्राप्त , विषय : "आधुनिक हिंदी के महाकाव्यो में वर्णित भगवान महावीर का चरित्र -चित्रण।" - सन १९९९ ।
शोध निदेशक	पीएच. डी. उपाधी के लिए जे. जे. टी. युनिव्हर्सिटी (राजस्थान) द्वारा दर्शन(Philosophy) एवं हिंदी(Hindi) विषय में शोध निदेशक
प्रकाशित ग्रंथ	पीएच. डी. उपाधी प्राप्त शोध ग्रंथ का पुस्तक रूप में प्रकाशन "हिंदी के महाकाव्यो में चित्रित भगवान महावीर" (प्रकाशन : भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली , सन 2001
पुस्तक संपादन	१. "षोडशभावना- प्रदीप " प्र. मातोश्री रुक्मिणीबाई मल्लाप्पा रोटे पब्लिक चॅरिटेबल ट्रस्ट 2014, २. 'द्रव्यसंग्रह 'प्र. जैन विदया शोध संस्थान कोल्हापूर, 2011।

ग्रंथ संपादन :-

१. "कन्हैया बने कुंथूसागर " चित्र पुस्तिका में आमुख, प्र. प्रो. डॉ. कु. सुधा जैन 2016।

२."ऍड . के. ए. कापसे गौरव ग्रंथ " की संपादिका के रूप कार्य संपन्न, 2014।

३. "रोजेट" प्र. गार्डन्स क्लब , कोल्हापूर 2014।

४. "सहज मुद्रा में कुंथूसागर , " कुंथुगिरी , कोल्हापूर , 2009।

५. पूजापाठ संग्रह प्र. गणाधिपती गणधराचार्य कुंथूसागर विद्या शोध संस्थान , आळते , कोल्हापूर 2006।

प्रस्तावना :

गणाधिपती गणधराचार्य कुंथूसागरजी द्वारा संग्रहित ग्रंथ " दैवोशध रत्नाकर, बृहद आयुर्वेदिक ग्रंथ , की प्रस्तावना वर्धमान प्रिंटिंग प्रेस , मुंबई , 2008।

प्रमुख संपादिका :-

' वर्धमान महावीर (अनुसंधान पत्रिका) ISSN NO.2395-2245(P) प्र. जैन विद्या - शोध संस्थान कोल्हापूर , अंक 1-11।

अमेरिका में व्याख्यान :

जैन समाज ऑफ यू.एस. ए न्यू जर्सी के वार्षिक महोत्सव के अवसर पर 'वर्तमान युग को वर्धमान महावीर की आवश्यकता' इस विषय पर व्याख्यान संपन्न 3 अगस्त 2014।

अध्यक्षीय भाषण :-

1.'भारतीय अल्पसंख्याक समुदाय की समस्यां एवं भवितव्य 'इंडियन कौन्सिल ऑफ सोशल सायन्स रिसर्च (ICSSR) द्वारा संचालित राष्ट्रीय अधिवेशन, आयोजीत महावीर महाविद्यालय कोल्हापूर , जैन अल्पसंख्यांक समुदाय कि संस्कृति और साहित्य शोधालेख प्रकाशित। (ISBN: 978-81-927211-4-6) 25-26 मार्च 2015 ।

2.'भूमंडलीकरण की समान स्थिती में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा : जैन संस्कृति और साहित्य के संदर्भ में' दो- दिवसीय आंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्ष, महावीर महाविद्यालय, कोल्हापूर .

द्वि - दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी :-

संयोजक - डॉ. सौ. सुषमा रोटे (JVSS)

विषय :- जैन सिद्धांतो की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता 17-18 जानेवारी 2016

उपविषय - तत्त्वज्ञान - जैन दर्शन में ध्यान विषयक विवेचन ।

आचार - जैन साधना पद्धति में अनुप्रेक्षा का महत्व ।

कर्मसिद्धांत - जैन कर्मसिद्धांत एवं आधुनिक मनोविज्ञान

स्तंभलेखिका:

'तरूणवाणी' प्रकाशन, लोकमत वृत्तपत्र, कोल्हापुर, अक्तूबर 2007 ।

शोधआलेख :

1. ' प्राकृत साहित्य में रामचरित: तुलनात्मक अध्ययन' आंतराष्ट्रीय अधिवेशन में आलेख पठन, कन्नड युनिव्हर्सिटी, हम्पी, 2016।

2. "तीर्थंकर महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता" विषय पर लेख प्रकाशित राजस्थान जैन सभा 53वीं महावीर जयन्ती स्मारिका अजमेरा 2016।

3.आकाश भाषिते में ७ शोधालेख" प्र. चौगुले ऑफसेट,हेर्ले, 2002।

4. ''हिंदी साहित्य में ऐतिहासिक चरित्र तीर्थंकर महावीर'' आंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में आलेखपठन ,

शिवाजी विश्वविद्यालय ,कोल्हापुर (01)

5. '' Role Of NGO's Environmental Pollution '' राष्ट्रीय अधिवेशन, समाजशास्त्र विभाग, शिवाजी

विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

6. राष्ट्रीय अधिवेशन आलेखपठन (11

7. राज्यस्तरीय अधिवेशन में आलेख पठन (04)

8. अनुसंधान आलेख (प्रकाशित) (16)

9. भगवान महावीर के चरित्र एवं उपदेशों पर व्याख्यान (36)

आकाशवाणी :-

1.‘‘ जैन साहित्यातील कथा आणि काव्यदर्शन’’इस विषय पर सांगली आकाशवाणी पर व्याख्यान (०6)

2.‘‘भगवान महावीर चरित्राची प्रासंगिकता’’ कोल्हापुर आकाशवाणी पर व्याख्यान (01)

3.‘‘तरुणवाणी आध्यात्मिक विचार’’ ग्रीन एफ. एम. आकाशवाणी सांगली(30)दिन

पुरस्कार :

पुरस्कार	वर्ष
1. “जैनविद्यासंरक्षिका’’ पद से अलंकृत , श्री गणाधिपति गणधराचार्य कुन्थुसागर विद्या शोध संस्थान आलते, कोल्हापुर.	19 जून, 2016
2. ‘‘परिणीता अवार्ड’’ मुक्ता मंच की तरफ से जैन धर्म दर्शन एवं प्राकृत भाषा का अध्ययन तथा अनुसंधान केंद्र के माध्यम से जैन धर्म के प्रचार प्रसार के उपलक्ष्य में	2016
3. “जैनरत्न पुरस्कार” मुनिश्री प्रमुख सागरजी और अकोला समाज की ओर से, अकोला	2010
4. “जिनागम 2010 पुरस्कार”, जिनागम स्वाध्याय मंच, अयोध्या पार्क, कोल्हापुर	2010
5. “सखी अॅवॉर्ड 2008” लोकमत, वृत्त समुह की ओर से 12 साल जैनॉलॉजी में अनुसंधान के उपलक्ष्य में उपाधि से पुरस्कृत	2008
6. “साहित्य सेवा पुरस्कार” महाराष्ट्र जैन साहित्य परिषद, कोल्हापुर की ओर से भगवान महावीर चरित्र के अनुसंधान के उपलक्ष्य में सन्मानित	2006

विद्यमान पद:-

***निदेशक (Director)**	जैन विद्या शोध संस्थान, कोल्हापुर.
***** **शोध निदेशक (Research Guide)**	जे.जे.टी. विश्वविद्यालय, राजस्थान.
***क्षेत्रीय समन्वयक (Regional Co-Ordinator)**	जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लांडनूं, राजस्थान.
***** **संकाय सदस्य (Faculty Member)**	बाहुबली प्राकृत विद्यापीठ , श्रवणबेलगोला, कर्नाटक.

सांस्कृतिक/सामाजिक/शैक्षिक :

पद	संस्था
1. कार्यकारिणी सभासद	स्थानीय व्यवस्थापन समिति, महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर
2. कार्यकारिणी सदस्या	भ.महावीर परिषद, कोल्हापुर
3. कार्यकारिणी सदस्या	दक्षिण भारत हिंदी परिषद, कोल्हापुर
4. कार्यकारिणी सदस्या	बी.एम्.रोटे ज्युनिअर कॉलेज, कोल्हापुर
5. कार्यकारिणी सदस्या	अनेकान्त शोध विद्यापीठ, बाहुबली
6. कार्यकारिणी सदस्या	धर्मभारती केंद्र समिति, कोल्हापुर
7. कार्यकारिणी सदस्या	डी. ए. मगदूम हायस्कूल, कोल्हापुर
8. कार्यकारिणी सदस्या	गार्डन्स क्लब, कोल्हापुर
9. आजीव सदस्या	महाराष्ट्र तत्त्वज्ञान परिषद
10.आजीव सदस्या	दक्षिण भारत जैन सभा,सांगली
11.आजीव सदस्या	अखिल भारतीय विव्दत परिषद
12.आजीव सदस्या	महाराष्ट्र हिंदी परिषद सांगली

JVSS